



**प्रेस विज्ञप्ति**

**मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने एसआईआर की तैयारियों के सम्बंध में की समीक्षा**

- उत्तराखण्ड में अप्रैल माह में सम्भावित विशेष गहन पुनरीक्षण
- देहरादून, उधमसिंह नगर और नैनीताल में मैपिंग अभियान च्यापक करने के निर्देश
- एसआईआर में लापरवाह अफसरों पर होगी सख्त कार्रवाई
- बीएलए की नियुक्ति हेतु राजनैतिक दलों से पुनः बैठक करें जिलाधिकारी

देहरादून। मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ० बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने शुक्रवार को सचिवालय में आगामी विशेष गहन पुनरीक्षण की तैयारियों के संबंध में सभी जनपदों के जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉफ्रेंस में माध्यम समीक्षा बैठक की। बैठक में मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने जनपदवार समीक्षा के दौरान आगामी एसआईआर के दृष्टिगत सभी जनपदों की प्रशासनिक तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि आगामी अप्रैल माह में उत्तराखण्ड में एसआईआर प्रस्तावित है इस लिहाज से जनपद देहरादून, उधमसिंह नगर और नैनीताल में मतदाताओं की मैपिंग की प्रगति लक्ष्य के अनुरूप कम है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने तीनों जनपदों के जिलाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जिन बूथों पर मैपिंग प्रतिशत कम है सम्बंधित ईआरओ और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि जो भी अधिकारी एसआईआर के कार्य में लापरवाही करत हुए पाए गए, उनपर ठोस कार्रवाई की जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने सभी जनपदों को तय समयसीमा में एसआईआर की तैयारियों के दृष्टिगत बैग यानी बूथ अवेयरनेस ग्रुप के गठन के निर्देश दिए।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी डॉ० बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने जिलाधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा वर्तमान में 77 प्रतिशत बूथों पर कि बूथ लेवल एजेंट्स की तैनाती हो चुकी है, बीएलए की शत प्रतिशत तैनाती हेतु राजनैतिक दलों से पुनः बैठक कर दी जाए। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि एसआईआर हेल्पडेस्क के जिलों में अविलम्ब अतिरिक्त कार्मिकों की तैनाती की जाए।

बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रकाश चंद्रा, उप मुख्य निर्वाचन अधिकारी किशन सिंह नेगी, सभी जनपदों के जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी, ईआरओ वर्चुअल रूप से शामिल रहे।

\*\*\*\*\*